दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, गुरुवार 02 मार्च 2023

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

चीन की पहलकदमियां

पिछले साल अप्रैल में चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने वैश्विक विकास पहल की धारणा पेश की थी। अब चीन ने वैश्विक सुरक्षा प्रस्ताव को पेश किया है। चीन का दावा है कि नया प्रस्ताव वैश्विक शाति और सुरक्षा के संबंध में उसकी मूल अवधारणाओं का दस्तावेज है।

विश्व व्यवस्था के प्रति अपना नजरिया रखने का सिलसिला चीन जारी रखे हुए है। इसके पीछे कारण संभवत: उसकी यह सोच है कि अब दुनिया को अपने नजरिए से प्रभावित करने में वह सक्षम हो चुका है। पिछले साल अप्रैल में चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने वैश्विक विकास पहल (जीडीआई) की धारणा पेश की थी। अब चीन ने वैश्विक सुरक्षा प्रस्ताव (जीएसआई) को पेश किया है। चीन का दावा है कि नया प्रस्ताव वैश्विक शाति और सुरक्षा के संबंध में उसकी मूल अवधारणाओं और सिद्धांतों का दस्तावेज है। हाल ही में जर्मनी के म्युनिख में सुरक्षा सम्मेलन में चीन के केंद्र सरकार के विदेश मामलों के आयोग के प्रभारी वांग यी ने कहा था कि एक सुरक्षित दुनिया के लिए विभिन्न देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा था कि एक सुरक्षित दुनिया के लिए हमें बातचीत और परामर्श के जरिए विवादों के शातिपूर्ण समाधान पर जोर देना चाहिए। एक सुरक्षित विश्व के लिए हम सभी को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों की ओर लौटना होगा।

इन बातों को जीएसआई में भी दोहराया गया है। नए चीनी विदेश मंत्री चिन गांग ने कहा है उनका देश बातचीत और परामर्श को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करेगा, सभी पक्षों की चिंताओं को दूर करेगा और सभी की सुरक्षा के रास्ते तलाश करेगा। अगर चीन का सचमुच यही इरादा है, तो इस प्रस्ताव को स्वागतयोग्य दस्तावेज माना जाएगा। लेकिन आम शिकायत यह है कि चीन अब रूस के साथ मिल कर अपने ढंग की विश्व व्यवस्था बनाने के प्रयास में है। दुनिया को बहुत से देशों को आशंका है कि जैसा अब तक पश्चिमी देशों का वर्चस्व रहा है, चीन भविष्य वैसा ही अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश कर सकता है। इसलिए चीन हर पहल विवादित हो जाती है। इसलिए अगर चीन सचमुच वैश्विक सुरक्षा को उसी नजरिए से देखता है, जिसका बखान उसने अपने दस्तावेज में किया है, तो उसे बाकी दुनिया को भरोसे में लेने की कोशिश करनी चाहिए।

एक जुलाई से विदेशी धन पर लगेगा अधिक कर, शिक्षा क्षेत्र होगा प्रभावित

नई दिल्ली। एक जुलाई से, चाहे वह विदेश यात्रा पर खर्च करना हो या विदेश में निवेश करना हो, खर्च अधिक होने वाला है, क्योंकि विदेशी धन प्रेषण पर स्रोत पर एकत्रित कर (टीसीएस) लागू हो जाएगा। 2023-24 के केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि चिकित्सा और शिक्षा उद्देश्यों को छोडक़र किसी भी बाहरी प्रेषण पर पूरे मूल्य पर 20 प्रतिशत का टीसीएस लगेगा। उदारीकृत प्रेषण योजना (एलएआरएस) के तहत टीसीएस दर में वृद्धि मूल रूप से उच्च मूल्य विवेकाधीन खर्च के उद्देश्य से है।

इनमें विदेशी दौरों, विदेशी मुद्रा की खरीदारी, दोस्तों या रिश्तेदारों को विदेश में उपहार भेजना और विदेशी स्टॉक खरीदना आदि शामिल हैं। विदेश में पढऩे वाले छात्रों के लिए शिक्षा संबंधी खर्च के मामले में, यदि माता-पिता यह स्थापित करने में सक्षम हैं कि राशि शिक्षा के उद्देश्य के लिए है, तो कुल राशि 7 लाख रुपये से अधिक होने पर टीसीएस 5 प्रतिशत होगा।

यदि राशि ट्यूशन फीस या छात्रावास के खर्च के लिए है, तो शिक्षा लिंक स्थापित करना आसान है, लेकिन यदि छात्र विदेश में पढ़ाई के दौरान कैंपस से दूर किराए के आवास में रह रहा है तो नहीं। यदि शिक्षा लिंक स्थापित नहीं किया जा सकता है, तो बिना किसी सीमा के 20 प्रतिशत का टीसीएस देना होगा।

प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कंपनी एम स्चयर मीडिया (एमएसएम) के सीईओ और संस्थापक संजय लॉल ने कहा, कर भारतीय छात्रों के लिए विदेश में अध्ययन की लागत में वृद्धि करेगा। इसका जाने वाले छात्रों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश में, और हम उन देशों में छात्रों की वरीयता में बदलाव देख सकते हैं, जहां शिक्षा की लागत तुलनात्मक रूप से कम है।

उन्होंने कहा कि यह देखा जाना बाकी है कि ये उपाय भारत में विदेशी निवेश के प्रवाह और विदेशों में उच्च शिक्षा के अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय छात्रों की प्राथमिकताओं को कैसे प्रभावित करेंगे।

आर्थिक वृद्धि दर तीसरी तिमाही में धीमी रही, 4.4 फीसदी रही

नई दिल्ली। मुद्रास्फीति के दबाव और ऊंची ब्याज दर के कारण मांग पर असर की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में घटकर 4.4 फीसदी रही।

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर – दिसंबर 2022 की तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) स्थिर मूल्य (आधार वर्ष 2011-12) पर 40.19 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि इससे एक साल पहले इसी अवधि में स्थिर मूल्य पर जीडीपी 38.51 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह वास्तविक जीडीपी में वार्षिक आधार पर इस बार तीसरी तिमाही में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्तमान कीमत पर तीसरी तिमाही का सकल घरेलू उत्पाद अनुमानित 69.38 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में इस चालू मूल्य पर जीडीपी 62.39 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह वर्तमान जीडीपी में तीसरी तिमाही में 11.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर के 7 प्रतिशत रहने का अनुमान बनाये रखा है। इससे पहले रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। रिजर्व बैंक के संशोधित अनुमान में तीसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि 4.4 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सरकारी अनुमानों के अनुसार वर्ष 2022- 23 में वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्य पर वास्तविक जीडीपी 159.7 एक लाख करोड़ रुपए और वर्तमान कीमत पर 272.04 लाख करोड़ रुपए रुपए रहेगा।

पिछले वित्त वर्ष में ,पहले संशोधित अनुमान के अनुसार वास्तविक जीडीपी 149.26 लाख करोड़ रुपए और चालू कीमत पर जीडीपी 234.71 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह वर्तमान मूल्य पर चालू वित्त वर्ष में जीडीपी में 15.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

एनटीपीसी ने ग्रीन एनर्जी सम्पत्तियां नयी कंपनी को हस्तांतरित की

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की बिजली उत्पादन कंपनी एनटीपीसी लि. ने बताया कि उसने अपने हरित ऊर्जा कारोबार को योजना के अनुसार अपनी अनुषंगी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. (एनजीईएल) को हस्तांतरित करने का सौदा पूरा कर लिया है।

एनटीपीसी लि की विज्ञप्ति के अनुसार यह सौदा केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सम्पत्ति मुद्रीकरण पाइपलाइन योजना के अंतर्गत किया गया है ओर 28 फरवरी 2023 को पूरा किया गया।

एनजीईएल का गठन सात अप्रैल 2022 को किया गया था। यह एनटीपीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। दोनों कंपनियों के बीच 15 नवीकरणीय ऊर्जा सम्पत्तियों के हस्तांतरण और शेयर खरीद-बिक्री समझौता 08 जुलाई 2022 को किया गया था।

एनटीपीस ने 2032 तक 60000 मेगावाट ग्रीज एनर्जी उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है।

84वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में अनुपमा उपाध्याय ने जीता गोल्ड

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में इन दिनों आयोजित की जा रही 84वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में हरियाणा की प्रतिभावान खिलाडी अनुपमा उपाध्याय ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए आखिरकार सभी की उम्मीदों के अनुसार प्रदेश के लिए गोल्ड मैडल जीता है। इस जीत पर हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रेजिडेंट देवेंद्र सिंह ने विजेता बेटी को पांच लाख नगद ईनाम देने की घोषणा की है।

होनहार की इस उपलब्धि पर बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया उपाध्यक्ष व हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव अजय सिंघानियां ने हरियाणा की खिलाडी अनुपमा उपाध्याय का खिताबी मुकाबले के दौरान सामना छतीसगढ की आकर्षी कश्यप के साथ हुआ। जिस प्रकार पूरे देश की निगाहे इस बडे टूर्नामेंट पर टिकी थी फाईनल पूरी तरह से रोमाचंक होने के आसार पहले ही दिखाई दे गए थे। हुआ भी यही व आखिरी क्षण तक दोनों खिलाडियों ने खिताब को जीतने के लिए खूब पसीना बहाया व अंतिम क्षण तक खेल का रोमांच बना रहा। आखिरकार अपने अनुभव के बल पर हरियाणा की अनुपमा उपाध्यय विजेता बनकर उभरी। पहला सैट गंवाने के बाद एक बार मैच में पिछड चुकी इस होनहार ने आगे खेल में न सिर्फ अपने उपर बने मनोवैज्ञानिक दबाव को पूरी तरह से हटा दिया साथ में विपक्षी के किसी भी तरह से उभरने व संभलने का मौका अंत तक नहीं दिया।

अंतिम परिणाम अनुपमा उपाध्यय की जीत के साथ 20-22, 21-17, 24-22 रहा जो दिखाने के लिए काफी है कि मैंच रोमांच की किस सीमा तक पहुंचा। अजय सिंघानिया ने कहा कि प्रत्येक खिलाडी को अंत तक हार न मानकर अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए, हांलाकि हार जीत खेल के दो पहलू है लेकिन अंतिम क्षण तक जीतने का जुनून महान खिलाडियों का एक गुण है इसकी झलक अनुपमा ने दिखाई। सभी को इस युवा के अंदर भविष्य की अपार संभावनाएं नजर आ रही है। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन प्रेजिडेंट देवेंद्र सिंह ने भी अपनी शुभकानाएं दी व अनुपमा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आज पूरे भारत में हरियाणा के जूनियर व सीनियर बैडमिंटन खिलाडियों ने न सिर्फ उंचा नाम कमाया है बल्कि यह कहा जाए कि अपना दबदबा खेल में कायम कर दिया है तो गलत नहीं होगा।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप : अनुपमा, मिथुन को एकल खिताब

पुणे। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक अनुपमा उपाध्याय और मिथुन मंजूनाथ ने सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023 में अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर क्रमश: महिला एकल और पुरुष एकल के खिताब हासिल किये।

अनुपमा ने रोमांचक महिला एकल मुकाबले में पिछडऩे के बाद वापसी करते हुए आकर्षी को एक घंटे 18 मिनट में 20-22, 21-17, 24-22 से मात देकर पहली बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। मिथुन ने प्रियांशू राजावत को सिर्फ 28 मिनट में 21-16, 21-11 से परास्त करके पुरुष एकल में खिताब हासिल किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त गायत्री गोपीचंद और तृषा जॉली को नये महिला युगल चैंपियन का ताज पहनाया गया, जबकि टी हेमनागेंद्र बाबू और कनिका कंवल ने मिश्रित युगल में बाज़ी मारी। एस कुशाल राज और एस प्रकाश राज ने पुरुष युगल खिताब जीतकर टूर्नामेंट को समाप्त किया।

रोमांच और उत्साह से भरे महिला एकल फाइनल में आकर्षी ने मज़बूत शुरुआत करते हुए पहला गेम जीत लिया। अनुपमा ने दूसरे गेम में हल्के हाथ से खेलते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त ले ली। अनुपमा ने ब्रेक के बाद भी ड्रॉप-शॉट खेलने जारी रखे और गेम 21-17 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाडिय़ों के बीच टक्कर देखने को मिली, हालांकि ब्रेक तक अनुपमा ने आकर्षी पर दबाव बनाकर इंटरवल तक 11-8 की बढ़त बना ली।

आकर्षी ने वापसी करते हुए गेम को 19-19 से बराबरी पर ला दिया, लेकिन अनुपमा ने कोर्ट पर बेहतर फुटवर्क से आकर्षी को नेट पर आने पर मजबूर कर दिया। नतीजतन, आकर्षी ने दो मैच पॉइंट गंवाये और अनुपमा ने इसका लाभ लेकर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन का ताज अपने सिर सजा लिया।

महिला एकल फाइनल में जहां दर्शकों को गलाकाट प्रतियोगिता देखने को मिली, वहीं मिथुन के कुशल डिफेंस और योजना ने पुरुष एकल फाइनल को एकतरफा बना दिया।

भारत ने जीता महिला स्नूकर विश्व कप

बैंकॉक। इंडिया 'ए' ने महिला स्नूकर विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड 'ए' को 4-3 से मात देकर यह खिताब जीत लिया है।

भारतीय महिलाओं ने खेले गये खिताबी मैच में इंग्लैंड 'ए' को 56-26, 67 (51)-27, 41-61, 27-52, 68 (34)-11, 55-64, 78-39 से मात दी। भारत की ओर से खेलने उतरीं अमी कमानी और अनुपमा रमाचंद्रन के इस टूर्नामेंट से पहले विश्व रैंकिंग में नहीं थीं, लेकिन उन्होंने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए 12 बार की विश्व चैंपियन रीएन इवान्स और मौजूदा विश्व नंबर चार रेबेका केना को फाइनल में मात दी।

कमानी ने खिताब जीतने के बाद विमेंस स्नूकर डॉट कॉम से कहा, यह आश्चर्यजनक लगता है क्योंकि मैंने 2011 में स्नूकर खेलना शुरू किया था और यह मेरा पहला विश्व खिताब है। यह जादू जैसा लगता है। मैंने जो भी मेहनत की है, आज उसका फल मिल गया है। यह सिर्फ शुरुआत है। मैं हर विश्व खिताब जीतना चाहती हूं।

अभी के लिये मैं बहुत खुश क्योंकि मैंने अपने देश भारत को गौरवान्वित किया है। अनुपमा ने कहा, मैं वास्तव में खुश हूं क्योंकि विश्व महिला स्नूकर के साथ यह मेरा पहला टूर्नामेंट है और पहले कुछ दिनों में मुझे टेबल से तालमेल बिठाने में वास्तव में मुश्किल हो रही थी। यह मेरे लिये बिल्कुल नये माहौल जैसा था लेकिन मैं चाहती थी टेबल पर मैं जो कर रही थी उसका आनंद लूं। मैंने जीतने या हारने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा और शॉट दर शॉट मैच खेला, जिससे मुझे काफी मदद मिली। मेरे पास खुशी ज़ाहिर करने के लिये कोई शब्द नहीं हैं।

आज का राशिफल

मेष : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। धनार्जन करने में सफलता निश्चित है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृष : अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है। व्यापार में इच्छित लाभ होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

मिथुन : मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी, प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट न हो इसलिए संस्कार लाभप्रद रहेंगे।

कर्क : आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद से दूर रहे। यात्रा में अपनी वस्तुओं का ध्यान रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह लाभकारी होगा।

सिंह : राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें।

कन्या : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

तुला : व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे व भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें।

वृश्चिक : समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी, धनार्जन होगा। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

धन् : वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखना आवश्यक है। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। समय अनुकूल नहीं है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा, जीवनसाथी खुश है तो धन के योग हैं। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें।

मकर : संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी, जोखिम न उठाएं। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं।

कुंभ : नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। बेकार के झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रह सकते हैं सतर्क रहें। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे।

मीन : आध्यात्म पर ध्यान और विश्वास बढेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें।

काजल अग्रवाल ने शुरू की इंडियन 2 की शूटिंग

❑ **कमल हासन संग आएंगी नजर**

साउथ एक्ट्रेस काजल अग्रवाल एक बार फिर चर्चा का विषय बन चुकी है। बीते वर्ष वह एक बेटे की मां बनी थीं। अब मैटरनिटी ब्रेक के उपरांत वह अपने काम पर वापस आ चुकी हैं। दरअसल, काजल अब कमल हासन की मूवी इंडियन 2 में दिखाई देने वाली है। उन्होंने मूवी की शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक्ट्रेस ने अपनी एक फोटो साझा करते हुए इस बात की सूचना भी दी है।

खबरों का कहना है कि काजल ने ट्विटर पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर भी शेयर की है। हालांकि, उन्होंने फिल्म में अपने लुक का खुलासा नहीं किया। फोटोज में काजल ने अपने चेहरे को इमोजी की सहायता से छुपा लिया है। उन्होंने यह सूचना दी है कि वह इंडियन 2 की शूटिंग शुरू भी कर दिया है। कैप्शन में उन्होंने इंडियन 2 का हैशटैग लगा दिया है। बता दें कि काजल अग्रवाल मदरहुड का आनंद ले रही थीं। वह अपने परिवार और बच्चे के पालन-पोषण में व्यस्त थीं। अब दो वर्ष के उपरांत वह कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 में काम करने वाली है।

जिसके पूर्व इंडियन 2 में अपनी भूमिका के लिए उन्होंने घुड़सवारी भी करती हुई दिखाई दी। घुड़सवारी का वीडियो फैंस के साथ शेयर करते हुए उन्होंने लंबे वक़्त के बाद काम पर वापसी को लेकर लंबा नोट भी लिखा था।

जूनियर एनटीआर की एनटीआर30 में शामिल हुए सैफ अली खान, निभाएंगे अहम भूमिका

टॉलीवुड सुपरस्टार जूनियर एनटीआर को आरआरआर की बंपर सक्सेस के उपरांत एक बार फिर फैंस जल्दी ही सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हैं। सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की दो मूवीज का ऐलान भी बहुत पहले ही हो चुका है। जिसमें वो आरआरआर के बाद दिखाई देने वाले हैं। जूनियर एनटीआर अपने करियर की 30वीं और 31वीं मूवी को लेकर इन दिनों व्यस्त चल रहे है। मगर ये दोनों ही फिल्में फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में ही बताई जा रही है। बता दें कि इन मूवी की तैयारी काफी धीमी चल रही है। जूनियर एनटीआर की एनटीआर 30 को निर्देशक कोरताला शिवा निर्माण कर रहे है। जो अपनी पिछली फ्लॉप मूवी आचार्य के सदमे से अभी तक बाहर नहीं निकल पाए हैं।

सेहत से भरपूर है केले का टेस्टी हलवा

केला हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसे खाने से हमें कई तरह के फायदे मिलते हैं। अगर आप भी केले खाने के शौकीन हैं, तो इस बार घर पर केले का टेस्टी और हेल्दी हलवा ट्राई करें।

सामग्री :

3-4 पके केले
एक कप सूजी
3 कप दूध पानी का मिश्रण
एक चुटकी केसर
एक चम्मच इलायची पाउडर
8-10 काजू
8-10 किशमिश
4 चम्मच घी
एक कप चीनी

विधि :

सबसे पहले केले को छीलकर इसे एक बर्तन में अच्छे से मैश करे लें।

अब एक कढ़ाई में देसी घी को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर इसमें काजू और किशमिश डालकर फ्राई करें।

जब काजू हल्के ब्राउन हो जाए, तो इसमें सूजी डालकर इसे सुनहरा भूरा होने तक भुनें।

अब एक बाउल में दूध और पानी के मिश्रण डालकर इसमें केसर, इलायची पाउडर और शक्कर मिक्स करें। फिर इसमें मैश किए गए केले भी मिला दें।

अब एक अन्य बर्तन में दूध-केले के मिश्रण को अच्छे से उबालें और फिर इसमें भुनी हुई सूजी मिक्स कर दें।

अब इस मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक केले का पूरा गीलापन अच्छ से सूख न जाएं।

10-12 मिनट तक पकाने के बाद गैस बंद रख दें। तैयार है केले का हलवा, इसे ड्राई फ्रूट्स से गार्निश कर गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 357

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

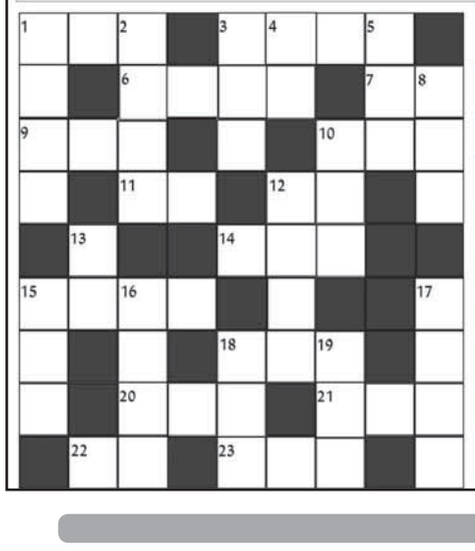

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 356 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 357

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.356 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7